Ph. No. 0522 2635513
Email:- bsnvpg.iqac@gmail.com

आईक्यूएसी मीटिंग मिनट्स

Date:- 19-21 Sep 2022

Event:- IQAC Meeting

Title: - Related to Interaction with various work groups

Venue:- BSNVPG College, Seminar Hall, Lucknow

Presided by:- Prof. Ramesh Dhar Dwivedi (Principal)

Cordinated by:-Prof. Ram Kumar (IQAC Co-coordinator)

19, 20 एवं 21 सितंबर 2022 को विभिन्न कार्य समूहों की प्रगति समीक्षा आइक्यूएसी द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य की अध्यक्षता में की गई। इसके दौरान विभिन्न कार्य समूह के टीम लीडर द्वारा अपने अनुभव भी साझा किए गए। इस समीक्षा बैठक की प्रमुख बातें एवं कार्यवृत्त निम्न वत हैं।

कार्य समूह 1 के टीम लीडर एन के अवस्थी ने बताया कि उनकी टीम तीन बार बैठी है एवं विषय को समझने का प्रयास किया गया है कुछ डाटा की आवश्यकता है जिसके बाद एक्सेल शीट पर कंपाइल किया जाएगा ।

कार्य समूह 2 से प्रोफेसर संजय मिश्रा जी ने बताया कि उनके पास सर्वाधिक 350 नंबर का कार्य है जिस पर कार्य किया जा रहा है उन्होंने टीम सदस्यों के शिथिलता की बात भी की एवं प्रोफेसर संजीव शुक्ला जी से विशेष सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्य समिति 3 की प्रमुख प्रोफेसर गुंजन पांडे CCL पर होने के कारण अनुपस्थित रही। उस समूह से प्रोफेसर विजय कुमार जी उपस्थित रहे जिन्होंने बताया कि उनकी ग्रुप की बैठकर तो हुई हैं जिसे आइक्यूएसी को पूर्व में अवगत कराया गया था परंतु इस समय उनके पास कोई विशेष जानकारी नहीं है।

कार्य समिति 4 के प्रोफेसर राजीव दीक्षित ने बताया कि उन्होंने विस्तार पूर्वक अपने कार्य को समझा है एवं सदस्यों के मध्य कार्य का बंटवारा भी किया गया है। समूह की अपेक्षाएं आइक्यूएसी को लिखित में दी गई हैं आइक्यूएसी द्वारा डाटा उपलब्ध होने पर आगे का कार्य संपादित किया जाएगा

समूह 5 से प्रोफेसर अशोक कुमार दुबे एवं समूह 6 से प्रोफेसर केके बाजपेई ने भी अपनी पूर्व में हुई बैठकों का ब्यौरा प्रस्तुत किया प्रोफेसर दुबे ने प्रत्येक ग्रुप में कंप्यूटर की अच्छी जानकारी रखने वाले को रखने का आग्रह किया। प्रोफेसर केके बाजपेई ने मैनेजमेंट के प्रभावी रोल को नैक के लिए आवश्यक कदम बताया। समूह 7 के टीम लीडर प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी ओर से कई सारी बेस्ट प्रैक्टिसेज के बारे में पूर्व में भी चर्चा की गई है सदस्यगण जिन दो प्रैक्टिसेज को अच्छा समझते हो एवं जिस पर सबकी सहमति हो उस पर वह रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस पर प्राचार्य महोदय ने 2 की बजाय चार बेस्ट प्रैक्टिसेज पर रिपोर्ट तैयार करने को कहा एवं बाद में उनमें से कोई दो चयन करने एवं आगे बढ़ाने का भाव व्यक्त किया ।

कार्य समूह 8 के प्रमुख डीके राय की अनुपस्थिति में प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं बताया कि आगे उनका विचार सेमिनार करने का है इस पर प्राचार्य महोदय ने कहा कि अभी हमारी आवश्यकता पिछले वर्षों की डाटा को कंपाइल करना है इसे प्राथमिकता में रखकर ही काम करना चाहिए।

समूह 9 से प्रोफेसर गोविंद कृष्ण मिश्र ने बताया कि विभागों से प्राप्त डेटा आइक्यूएसी में कंपाइल हो गया है जिसे विभिन्न समूह आवश्यकतानुसार आसानी से ले सकते हैं और अपने फॉर्मेट में प्रयोग कर सकते हैं ऑफिस से डाटा लेने के लिए मार्च 2021 में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने ऑफिस कर्मचारियों के साथ कुछ जिम्मेदारियां डाटा कलेक्शन हेतु किया था। उनसे बात करके डाटा की उपलब्धता आवश्यक फॉर्मेट के हिसाब से सुनिश्चित कराने का प्रोफेसर श्रीवास्तव जी से आग्रह किया।

डॉ मंजूल त्रिवेदी ने बताया कि एसएसआर कंपाइलेशन का कार्य अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। इस पर सदस्यों की राय थी कि अन्य महाविद्यालयों की रिपोर्ट का अध्ययन भी करना चाहिए जिससे रिपोर्ट कंपाइलेशन में आसानी हो।

कार्य समूह 11 से प्रोफेसर ज्योति काला ने न्यूजलेटर की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस माह का न्यूजलेटर प्रकाशित हो जाएगा।

आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर राम कुमार ने बताया कि कई लोगों की महाविद्यालय से अवकाश प्राप्त होने अथवा बाहर चले जाने के कारण वर्क ग्रुप्स में कई परिवर्तन करने की आवश्यकता है। साथ ही यह भी कहा कि आंतरिक गुणवत्ता संवर्धन हेतु नैक गाइड लाइन के अनुसार आइक्यूएसी ने डेमोक्रेटिक पद्धति का अनुसरण करते हुए अधिकाधिक लोगों के साथ कार्य समूह का निर्माण किया था। अब प्रथम चरण का कार्य लगभग पूरा होने की स्थिति में है। अब आवश्यकता छोटे समूह बनाकर कार्य को गति देने का है। इस हेतु उन्होंने 7 नए क्राइटेरिया के अतिरिक्त एक और ग्रुप **सपोर्ट ग्रुप** बनाने का सुझाव रखा जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। प्राचार्य ने समयबद्व कार्यक्रम बनाकर डाटा कंपाइलेशन कार्य उपयुक्त फॉर्मेट में 30 अक्टूबर 2022 तक पूरा करने का निर्देश दिया। इसके लिए कार्य की दैनिक प्रगति समीक्षा की जानी महत्वपूर्ण है। अतः अक्टूबर मध्य में एक समीक्षा बैठक रखी जाएगी। ग्रुप के पुनर्गठन का कार्य प्रोफेसर राम कुमार महाविद्यालय प्राचार्य एवं आइक्यूएसी के अन्य मेंबर के सहयोग से शीघ्रता शीघ्र संपन्न करेंगे। आइक्यूएसी कार्यालय में सदस्यों के औपचारिक अनौपचारिक मिलने एवं अपने विषय पर बात करने का सुझाव प्राचार्य ने दिया तथा प्रोफेसर रामकुमार ने एक रजिस्टर बनाने का सुझाव दिया जिस पर प्रत्येक कार्य दिवस में किए गए कार्यों का विवरण भी अंकित किया जाये।

आइक्यूएसी द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी प्राचार्य के द्वारा सभी विभागाध्यक्ष तक पहुंचाने के लिए पत्र लिखने का सुझाव दिया गया तथा अंत में कॉर्डिनेटर द्वारा सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।